अनौपचारिक पत्र (Anaupcharik Patra) – अपने मित्र को बीमार होने के कारण परीक्षा न दे पाने के लिए दिलासा देते हुए पत्र लिखिए

3 रिवर व्यू
चंडीगढ़

प्रिय मित्र अजय
सप्रेम नमस्ते

कल ही मुझे तुम्हारी छोटी बहन अनीता का पत्र मिला। पता चला कि तुम इस बार वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पाये। सुनकर बहुत दुख हुआ, लेकिन पिछले कई महीने से तुम बीमार थे। मैं तो तुम्हारे परीक्षा न दे पाने का कारण तुरंत समझ गया था क्योंकि तुम जैसे छात्र के परीक्षा में शामिल ना होने का अन्य कोई कारण हो ही नहीं सकता था।

देखो मित्र तुम शायद पीलिया से पीड़ित थे। यह बीमारी सामान्य होते हुए भी कभी-कभी घातक सिद्ध होती है। खान-पान में परहेज के अतिरिक्त आराम ही इस रूप में इलाज है। इसके इलाज में समय भी कुछ ज्यादा ही लगता है। तुम परेशान ना हो। इस बार परीक्षा नहीं दे पाए तो अगले वर्ष अच्छी तैयारी और बेहतर स्वास्थ्य के साथ फिर से परीक्षा देना। मुझे आशा है कि तुम बहुत अच्छे अंको से उत्तीर्ण करोगे। जान है तो जहान है। यह बात सभी जानते हैं। स्वास्थ्य साथ न दे तो हम कुछ भी नहीं कर पाएंगे, केवल सोच ही रह जाएंगे। हो सकता है कि शारीरिक कमजोरी और अस्वस्थता के कारण इस वर्ष परीक्षा देते तो उतने अंक न प्राप्त कर पाते जितने कि तुम हमेशा आशा करते हो। भगवान की इच्छा समझकर इस बात को बुलाने का प्रयास करो।

अपने स्वास्थ्य संबंधी दवा के सेवन और खाने पीने में ध्यान लगाओ। नए उत्साह और नए संकल्प के साथ अगले वर्ष परीक्षा की तैयारी करना। भगवान तुम्हारा साथ देंगे। मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ है। घर में सभी बड़ों को मेरा प्रणाम कहना और छोटी बहन अनीता को दुलार।

तुम्हारा मित्र
मुकेश